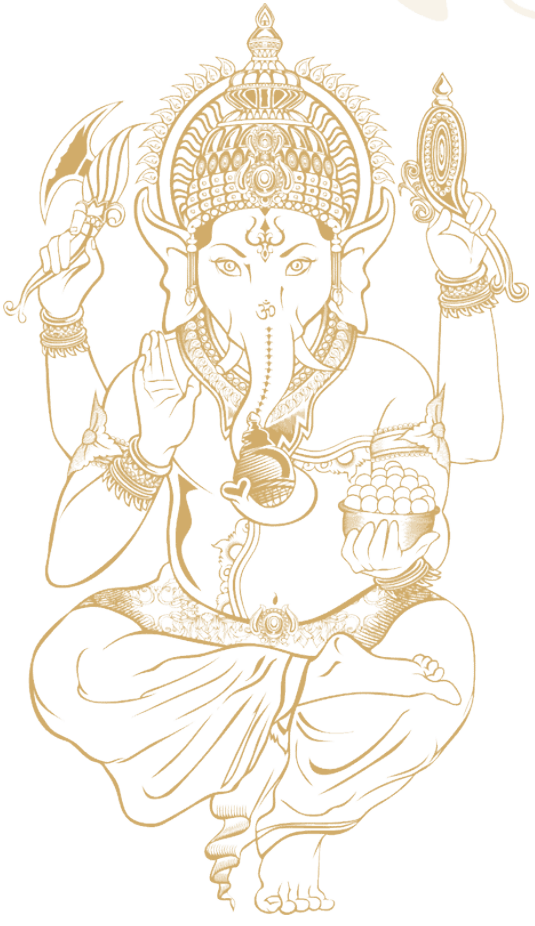

Sweety kumari

27 Nov 1995

05:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121045110

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26-27/11/1995**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:45:00 घंटे**
इष्ट	57:11:47 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:12:53 घंटे
साम्पातिक काल	09:45:40 घंटे
सूर्योदय	06:52:17 घंटे
सूर्यास्त	17:24:14 घंटे
दिनमान	10:31:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:27:55 वृश्चिक
लग्न के अंश	25:10:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:10:29	307:10:39	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	10:27:55	01:00:44	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मक	11:02:25	14:28:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	03:30:00	00:45:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	12:35:45	01:34:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु			वृश्चि	27:44:47	00:13:20	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			धनु	05:31:07	01:14:32	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
शनि			कुंभ	24:13:04	00:00:33	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	02:01:52	00:04:09	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	02:01:52	00:04:09	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:48:55	00:02:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			धनु	29:43:37	00:01:38	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:50:27	00:02:23	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			सिंह	00:18:25	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:06

लग्न-चलित

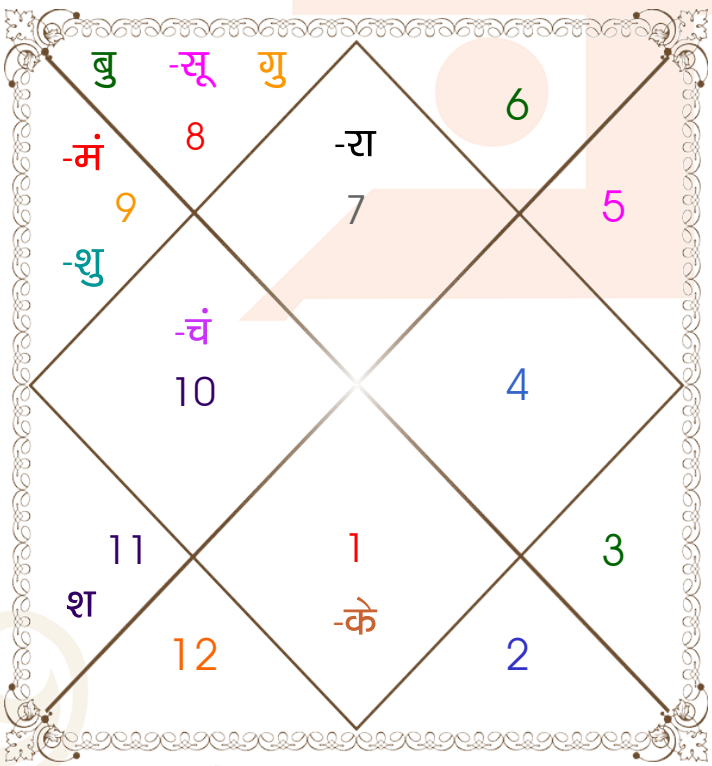

चन्द्र कुंडली

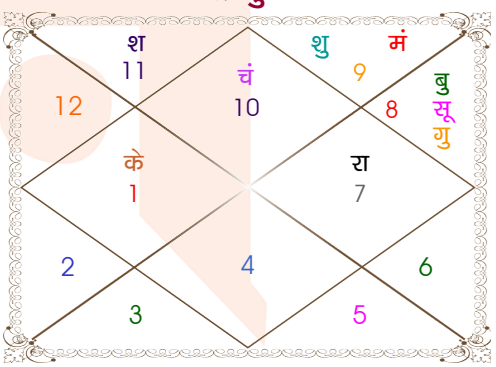

नवमांश कुंडली

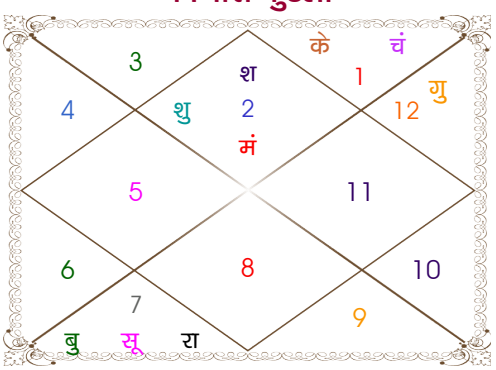

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 2 मास 19 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/11/1995		14/02/2005		15/02/2012		15/02/2030		15/02/2046	
14/02/2005		15/02/2012		15/02/2030		15/02/2046		14/02/2065	
चंद्र	16/12/1995	मंगल	13/07/2005	राहु	28/10/2014	गुरु	04/04/2032	शनि	17/02/2049
मंगल	16/07/1996	राहु	01/08/2006	गुरु	23/03/2017	शनि	16/10/2034	बुध	28/10/2051
राहु	15/01/1998	गुरु	08/07/2007	शनि	28/01/2020	बुध	21/01/2037	केतु	06/12/2052
गुरु	17/05/1999	शनि	16/08/2008	बुध	16/08/2022	केतु	28/12/2037	शुक्र	06/02/2056
शनि	15/12/2000	बुध	13/08/2009	केतु	04/09/2023	शुक्र	28/08/2040	सूर्य	18/01/2057
बुध	17/05/2002	केतु	09/01/2010	शुक्र	03/09/2026	सूर्य	16/06/2041	चंद्र	19/08/2058
केतु	16/12/2002	शुक्र	11/03/2011	सूर्य	29/07/2027	चंद्र	16/10/2042	मंगल	28/09/2059
शुक्र	16/08/2004	सूर्य	17/07/2011	चंद्र	27/01/2029	मंगल	22/09/2043	राहु	04/08/2062
सूर्य	14/02/2005	चंद्र	15/02/2012	मंगल	15/02/2030	राहु	15/02/2046	गुरु	14/02/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/02/2065		15/02/2082		14/02/2089		15/02/2109		16/02/2115	
15/02/2082		14/02/2089		15/02/2109		16/02/2115		00/00/0000	
बुध	14/07/2067	केतु	14/07/2082	शुक्र	16/06/2092	सूर्य	05/06/2109	चंद्र	28/11/2115
केतु	10/07/2068	शुक्र	13/09/2083	सूर्य	16/06/2093	चंद्र	05/12/2109		00/00/0000
शुक्र	11/05/2071	सूर्य	19/01/2084	चंद्र	15/02/2095	मंगल	11/04/2110		00/00/0000
सूर्य	16/03/2072	चंद्र	19/08/2084	मंगल	16/04/2096	राहु	06/03/2111		00/00/0000
चंद्र	16/08/2073	मंगल	15/01/2085	राहु	17/04/2099	गुरु	23/12/2111		00/00/0000
मंगल	13/08/2074	राहु	02/02/2086	गुरु	17/12/2101	शनि	04/12/2112		00/00/0000
राहु	02/03/2077	गुरु	09/01/2087	शनि	15/02/2105	बुध	11/10/2113		00/00/0000
गुरु	07/06/2079	शनि	18/02/2088	बुध	17/12/2107	केतु	16/02/2114		00/00/0000
शनि	15/02/2082	बुध	14/02/2089	केतु	15/02/2109	शुक्र	16/02/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।